समूह सत्र –8

सुरक्षित पलायन/आवागमन

उद्देश्य :

- सत्र उपरान्त समूह के सदस्य सुरक्षित पलायन के विभिन्न आयामों को समझ पायंगे।
- समूह के सदस्य सुरक्षित पलायन के लिए जरूरी तैयारी के बारे में जान पायेगें।

पद्धति : ब्रेन स्ट्रॉमिंग व सामूहिक चर्चा
समय : 2 घंटा
सामग्री : चार्ट पेपर, मार्कर

चरण 1:–

1. सर्वप्रथम फैसलिटेटर पहले चलाये गये सत्र का रिव्यू कर लें। अगर समूह सदस्यों द्वारा किसी तरह की प्रतिक्रिया या एक्शन है तो उसे जरूर नोट कर लें।
2. फैसलिटेटर सर्वप्रथम बोर्ड यां चार्ट पेपर पर एक गोल घेरे के अन्दर 'पलायन' शब्द लिख दे तथा इसके बाद समूह के सदस्यों से पूछें कि 'पलायन' शब्द से क्या आशय है?
3. समूह सदस्यों द्वारा निकाले गये बिन्दुओं को फैसलिटेटर चार्ट में लिखते जाय।

4. इसके बाद फैसलिटेटर समूह के सदस्यों से निम्न सवालों पर जानकारी पूछें तथा निकलने वाले जवाबों को निम्न टेबल के अनुसार लिखता जाय।

- कौन–कौन पलायन करता है?
- किस काम के लिए पलायन करते हैं?
- पलायन क्यो करते हैं?

कौन–कौन पलायन करता है?	**किस काम के लिए पलायन करते हैं?**	**पलायन क्यो करते हैं?**
▪ एकल पुरूष ▪ शादी–शुदा पुरूष ▪ महिला ▪ शादी–शुदा महिला ▪ लड़कियां ▪ लड़के ▪ परिवार के साथ बच्चें	▪ रोजगार के लिए ▪ ज्यादा कमाई के लिए ▪ पढ़ाई के लिए ▪ नौकरी ▪ व्यवसाय के लिए	▪ स्थानीय स्तर पर काम की कमी ▪ काम के अच्छे अवसर उपलब्ध न होना ▪ शर्म/झिझक/डर ▪ बेगारी/दूसरों द्वारा जबरदस्ती काम करवाना ▪ पैसा कमाने का परिवार/समाज का दबाव ▪ स्थानीय स्तर पर कम पैसा मिलना ▪ स्थानीय स्तर पर पढ़ाई की सुविधा न होना ▪ अच्छे कैरियर/भविष्य के लिए ▪ सरकारों द्वारा जमीनों का अधिग्रहण ▪ प्राकृतिक आपदा के कारण ▪ साम्प्रदायिकता व वैमनस्यता के कारण

5. इसके बाद फैसलिटेटर समूह के सदस्यों से चर्चा करें कि पलायन से पुरूषों और महिलाओं को क्या–क्या फायदें व नुकसान होते है?
6. निकलने वाले बिन्दुओं को निम्न टेबल के अनुसार लिखते जाय।

पलायन से फायदें	पलायन से नुकसान
पलायन से महिलाओं को फायदें ▪ पितृसत्तात्मक परिवार के ढ़ांचे से बाहर निकलने का मौका मिलता है ▪ निर्णायक भूमिकाओं में जगह मिलती है ▪ आवागमन के मौके मिलते हैं ▪ पाबंदिया कम होने लगती है ▪ आर्थक मामलों में भागीदारी बढ़ने लगती है। ▪ नई जानकारी, ज्ञान व कौशल बढ़ाने के मौके मिल जाते हैं जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है ▪ संपत्ति का मालिकाना हक बढ़ने की संभावना ▪ परिवार व गांव में इज्जत बढ़ जाती है ▪ परम्परागत रीति रिवाजों का बोझ कम होना	**पलायन से महिलाओं को नुकसान** ▪ असुरक्षा बढ़ जाती है– हिंसा व छेड़खानी की संभवनाएं बढ़ जाती है ▪ जिम्मेदारी का दबाव ▪ शक के घेरे में ज्यादा रहती है ▪ घरेलू ताने बढ़ते हैं ▪ एकल महिलाओं को आवास सम्बंधी दिक्कतें ▪ अपनों से दूरी बढ़ जाना ▪ स्वंय की सहलूयतों से समझौता
पलायन से पुरूषों को फायदें ▪ नई जानकारी, ज्ञान व कौशल बढ़ाने के मौके मिल जाते हैं जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है ▪ कोई पारिवारिक दबाव व रोक–टोक नही ▪ समय की कोई पाबंदी नही ▪ परिवार व गांव में इज्जत बढ़ जाती है ▪ अपनी मर्जी से खर्च करने व ऐशो आराम करने की सुविधा ▪ परिवार व गांव में इज्जत बढ़ जाती है ▪ परम्परागत रीति रिवाजों का बोझ कम होना	**पलायन से पुरूषों को नुकसान** ▪ जोखिम बढ़ने की संभावना ▪ परम्परागत पहचान न बनना ▪ असुरक्षित यौन सबंधों में यौन संक्रमण की संभावना ज्यादा ▪ असहज होने पर भी विरोध न कर पाना

7. इसके बाद फैसलिटेटर समूह के सदस्यो के साथ पलायन के दौरान घर व परिवार तथा काम के दौरान किस–किस तरह की परेशानियां आती हैं तथा उनका क्या असर होता है चर्चा करते हुए समझ बनायें। समूह सदस्यों से निकलने वाली जानकारी को निम्न टेबल के अनुसार लिख सकते हैं–

पलायन के दौरान आने वाली दिक्कतें/परेशानियां व उसका असर		
घर/परिवार को लेकर	**काम के दौरान**	**असर**
▪ घर के लोगों की याद आना ▪ समय पर घर न पहुंच पाना	▪ बिना इच्छा के काम करना ▪ ज्यादा काम करवाना ▪ ठेकेदार/मालिक द्वारा पैसा काट लेना ▪ समय पर पैसा न देना	▪ अकेलापन महसूस होना ▪ भूख न लगना ▪ मानसिक तनाव ▪ शारीरिक कमजोरी

▪ परिवार के सदस्यों की बीमारी की चिंता ▪ बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य की चिंता ▪ पत्नी की चिन्ता ▪ मॉ–बाप की चिन्ता ▪ खेती–बाड़ी की चिन्ता ▪ रिश्तेदारी से कट जाना	▪ समय पर छुट्टी न मिलना ▪ ठेकेदार/मालिक द्वारा धमकी देना ▪ ठेकेदार/मालिक द्वारा गाली–गलौज ▪ ठेकेदार/मालिक द्वारा मारपीट करना ▪ शौचालय व पेयजल की व्यवस्था न होना ▪ रहने की सही सुविधा न मिलना ▪ महंगा सामान खरीदने की मजबूरी ▪ स्थानीय लोगों द्वारा गाली–गलौज, मारपीट करना ▪ महिलायओं के साथ छेड़खानी व यौन उत्पीड़न ▪ रास्ते में व लोकल स्तर पर पुलिस उत्पीड़न ▪ चिकित्सा सुविधा न होना ▪ मंहगा ईलाज ▪ बच्चों की पढ़ाई की सुविधा न होना ▪ मकान मालिक द्वारा परेशान करना ▪ समय पर भोजन न मिल पाना ▪ चोरी/छिनैती ▪ मनोरंजन की कोई सुविधा न होना ▪ भाषा सम्बंधी दिक्कत ▪ नये लोगों से रिश्ता बनाने में कठिनाई	▪ नशा करने लगना ▪ असुरक्षित सम्बंध बनना ▪ देखभाल करने वाला कोई न होना ▪ बीमार पड़ना जिससे पैसा बर्बादा होना ▪ डर की भावना

सार– पलायन अपने आप में बुरा नही है क्योंकि लोग बेहतर जीवन यापन के लिए विभिन्न तरीकों के काम के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। लेकिन पलायन को सुरक्षित बनाना जरूरी है ताकि लोगों के साथ जुड़े खतरों को कम किया जा सके। पलायन के पूर्व और पलायन के दौरान विभिन्न सांवधानियों को ध्यान में रखकर हम इसे सुरक्षित बना सकते हैं।

1. अंत में फैसलिटेटर समूह के सदस्यों के साथ 'सुरक्षित पलायन' के लिए क्या पहल करना चाहिये, इस पर नियोजन तैयार करें –

स्वंय या परिवार के स्तर पर पहल	**समुदाय या गांव के स्तर पर पहल**	**काम के स्थान पर**
▪ कहां और किसके साथ जा रहे हैं इसकी पूरी जानकारी (नाम, पता, मो0 नं0 आदि) परिवार के लोगों को देना तथा घर में लिखित सूचना किसी डायरी में लिखकर रखना। ▪ जिस स्थान पर नौकरी या	▪ कहां और किसके साथ जा रहे हैं इसकी पूरी जानकारी (नाम, पता, मो0 नं0 आदि) पंचायत को लिखित रूप में देना। ▪ जिस स्थान पर नौकरी या जिस भी काम के	▪ जहां पर काम कर रहे हैं वहां की पूरी जानकारी पहले से लिखित तौर पर लेना। ▪ काम से सम्बंधित सुविधाओं, काम के घंटे, शर्तो आदि की लिखित जानकारी लेना।

जिस भी काम के लिए गए हैं उसकी पूरी जानकारी लिखित तौर पर घर में रखना तथा बताना।	लिए गए हैं उसकी पूरी जानकारी लिखित तौर पर पंचायत को देना। ▪	▪ स्थानीय पहचान पत्र रखना। ▪ स्थानीय पुलिस स्टेशन/ महिला व बच्चों के मुद्दों पर काम करने वाली संस्थाओं/ संस्थान की जानकारी व फोन नं0 रखना व घर वालों को सूचित करना। ▪ बैंक व अन्य जरूरी अभिलेखों की जानकारी किसी भी अपरिचित व्यक्ति को न देना।

नोट : सत्र समापन के पूर्व समूह सदस्यो की प्रतिक्रियाएं जरूर ले तथा उनके द्वारा व्यक्त किये जाने वाले विचारों को नोट कर लें तथा जरूरत के आधार पर ही स्पष्टीकरण दें।

इसके बाद अगली बार बैठनें की तिथि, समय व स्थान का निर्धारण करते हुए समूह के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए समापन करें।